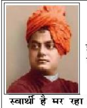

प्रेम विस्तार है, स्वार्थ संकुचन है। इसलिए प्रेम जीवन का सिद्धांत है। वह जो प्रेम करता है जीता है, वह जो स्वार्थी है मर रहा है। इसलिए प्रेम के लिए प्रेम करो, योंकि जीने का यही एक मात्र सिद्धांत है, वैसे ही जैसे कि तुम जीने के लिए सांस लेते हो।

स्वामी विवेकानंद

MPHIN/2009/34626
डाक पंजीयन क्रमांक
बालाघाट /दैनिक यशोन्नति / 2 /
2016-17

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लाँग इन करें
https://
dainikyashonnati.
com
एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+15 अंक 76 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी गुरूवार 13 जुलाई 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-2 सिवनी समाचार .....
पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार
पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

नगर पालिका की कार्य प्रणाली से आक्रोशित विवेकानंद वार्डवासियों ने किया आंदोलन

सिवनी यशोः- सिवनी नगरपालिका परिषद में पदस्थ कांग्रेस अध्यक्षीय परिषद द्वारा दूषित मानसिकता से काम किया जा रहा है जिससे पूरा नगर परेशान है और विशेषकर भाजपा पार्षद वाले वार्डो के साथ नगर पालिका परिषद दुर्भावना के साथ कार्य कर रही है । परिषद में भाजपाई पार्षदों की किसी भी प्रकार की सुनवाई नही होने के कारण भाजपा के पार्षद आक्रोशित है और उनके आक्रोश के बावजूद भी सिवनी नगर पालिका के मु य नगर पालिका अधिकारी कोई समाधानात्मक रवैया नहीं अपना रहे है और वे नगरपालिका अध्यक्ष के इशारो पर काम कर रहे है भाजपाई पार्षदों का आरोप है कि कांग्रेस अध्यक्षीय परिषद के अध्यक्ष दुर्भावना के साथ काम कर रहे है और उनका पूरा साथ मु य नगरपालिका अधिकारी दे रहे है ।

इसी आक्रोश के चलते आज बुधवारा को विवेकानंद वार्ड की जनता का आक्रोश फूट गया और वह सड़को पर आकर आंदोलन के लिये मजबूर हो गयी ।

विवेकानंद वार्ड के पार्षद राजेश राजू यादव ने बताया कि विवेकानंद वार्ड में कांग्रेसी अध्यक्षीय परिषद के अध्यक्ष शफीक खान दुर्भावना के कारण कोई काम नहीं करा रहे है जबकि यहां की जनता बुरी तरह से परेशान है अनेक समस्याओं की ओर मु य नगरपालिका अधिकारी का ध्यान अनेक बार आकर्षित कराया गया परंतु मु यनगरपानिका अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहें और नपा के अध्यक्ष शफीक खान इस कदर बेशर्मी का परिचय दे रहे है कि पवित्र श्रावण मास में भी इस वार्ड के निवासियों को परेशान कर उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे है । उन्होंने बताया कि इस वार्ड की सीमा में ही जिले का सिद्ध शिवपीठ मठ मंदिर है जहाँ से होकर श्रद्धालु बड़ी सं या में जाते है । इसके साथ ही सिवनी नगर की ग्राम देवी का मंदिर माता दिवाला मंदिर है जहाँ श्रद्धालुओं की दिनभर बड़ी सं या में आवक जावक बनी रहती है । इसके बावजूद भी सिवनी नगर पालिका परिषद द्वारा हमारे वार्ड की सड़को का निर्माण नहीं कराया जा रहा है, वार्ड की कच्ची तथा टूटी फूटी नालियों का निर्माण नहीं कराया जा रहा है, वार्ड में साफ सफाई नहीं करायी जा रही है, पेयजल की सही सप्लाई नहीं की जा रही है तथा इसके साथ ही अनेक समस्याएँ है जिनका निराकरण नहीं कराया है ।

चारों ओर कीचड़ नालियों का सड़को पर बहता पानी और चारों गंदगी से परेशान है वार्डवासी, श्रावण के पवित्र माह में भी नगर पालिका का कोई ध्यान नहीं है वार्ड पर, इस क्षेत्र से बड़ी सं या मठ मंदिर भगवान के दर्शन करने जाती है और बजबजाती गंदगी करती परेशान

पार्षद राजेश यादव का कहना है कि सिवनी नगर पालिका में कांग्रेस अध्यक्षीय परिषद के साथ मिलकर मु य नगरपालिका अधिकारी भष्टाचार को बढावा दे रहे है ओर मेरे द्वारा नगर पालिका की भ्रष्ट गतिविधियों पर आपत्ति की जा रही है और शिकायते भी की गयी है जिससे कांग्रेस अध्यक्षीय परिषद के अध्यक्ष मुझसे दुर्भावना पूर्ण रवैया अपना रहे है और वार्ड में काम नहीं होने दे रहे है ।

वार्ड की समस्याओं को लेकर बड़ी सं या में उपस्थित वार्डवासियों के साथ बुधवार को हुये आंदोलन के दौरान वार्ड पार्षद राजेश यादव ने आंदोलन का नेतृत्व किया इस अवसर पर परिषद में नेता प्रतिपक्ष ज्ञानचंद सनोडिया भी उपस्थित रहे जिन्होंने कहा कि सिवनी नगर पालिका परिषद जिस दूषित मानसिकता से कार्य कर रही है वह ठीक नहीं है आमजनता को मूलभूत सुविधाएँ देना नगरीय प्रशासन का दायित्व है इसमें भी भेदभाव करना स्वच्छ राजनीति नहीं है विवेकानंद वार्ड में जो समस्याएँ है उनका निराकरण नहीं होने से वार्डवासी आक्रोशित है और इतनी समस्याओं का सामना अधिक समय तक नहीं किया जा सकता । वार्ड की समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं किया तो हम उग्र आंदोलन करेंगे ।

इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष अभिषेक दुबे भी उपस्थित रहे जिन्होंन नगर पालिका परिषद की कार्यप्रणाली को जनहित के विपरीत बताते हुये कहा कि कांग्रेस जब भी सत्ता में आती है तो आमजनता को परेशान ही किया जाता है यह उनका कांग्रेसी चरित्र है ।

आंदोलनरत वार्डवासियों आकोश को देखते हुये मु य नगरपालिका अधिकारी आंदोलन स्थल पर पहुँचे और उन्होंने कहा कि वार्डवासियों की सभी समस्याओ का निकराकरण शीघ्र कर दिया जायेगा जिसके लिये प्रक्रिया में जो समय लगता है वह लगेगा उसके पूर्व जहाँ पानी का भराव है सड़क में कीचड़ हो रहा है वहाँ तात्कालिक व्यवस्था सुचारू करने के लिये डस्ट डालवा दी जायेगी एवं नालियों की सफाई के साथ दवा का नियमित छिडकाव कराया जायेगा आवारा जन्वारोंकी रोकथाम एवं वार्ड की सफाई के लिये कर्मचारी को निर्देश दिये जायेगे

पुरूषोत्तम मास के एकादश दिवस लक्ष्मी नारायण मंदिर में हरि हर अर्चन सहित अन्य धार्मिक आयोजन

सिवनी यशोः- लक्ष्मी नारायण मंदिर बस स्टैंड सिवनी में 15 जुलाई से 25 जुलाई तक पावन पुनीत श्रावण एवं पुरुषोत्तम मास के पावन पर्व के उपलक्ष में लक्ष्मी नारायण मंदिर में एकादश दिनों तक हरिहर का पूजन अर्चन रखा गया है जिसमें सभी भक्त पूजन अर्चन में स मिलित हो सकते हैं श्रावण मास भगवान भोले को एवं पुरुषोत्तम मास भगवान नारायण को बहुत प्रिय है इस बार भगवान भोले एवं भगवान विष्णु की कृपा से श्रावण माह में ही पुरुषोत्तम मास पड़ रहा है जो 19 वर्षो के बाद ऐसा संयोग आया है पुरुषोत्तम माह में भगवान विष्णु के साथ यदि मां भगवती लक्ष्मी का भी पूजन किया जाए तो मां लक्ष्मी साधक को धन-धान्य ऐश्वर्य प्रदान करती है साथ ही भगवान भोले का पूजन करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और सभी मनोकामना पूर्ण करते हैं इस पावन पर्व को ध्यान में रखकर लक्ष्मी नारायण मंदिर में एकादश दिवसीय हरि हर अर्चन रखा गया है जो लक्ष्मी नारायण मंदिर में मु य पुजारी पंडित हेमंत त्रिवेदी एवं वैदिक ब्राह्मणों के द्वारा संपन्न होगा जिसमें प्रतिदिन सांय 4:00 बजे से भगवान शिव का रुद्राभिषेक एवं भगवान विष्णु का सहशार्चन 1008 वस्तुओं द्वारा किया जाएगा सायं 7-00 बजे महा आरती एवं प्रसाद वितरण होगा लक्ष्मी नारायण मंदिर के अध्यक्ष नरेंद्र ठाकुर गुड्डु एवं समिति के सभी भक्त आमंत्रित हैं कि जो पूजन बैठना चाहते हैं वहां पहले आकर मंदिर में अपना नाम लिखवा दें जिससे आ व्यवस्था ना हो और सभी को इसका लाभ प्राप्त हो सके एवं पूजन सामग्री साथ लावे

जाँच के भय से मेडीकल स्टोर बंद कर भागने वालो को हुये नोटिस जारी

सिवनी यशोः- औषधि निरीक्षक खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग सिवनी अनुभूति शर्मा द्वारा जानकारी दी गई कि कले टर श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार में जिले में संचालित मेडिकल स्टोर्स का औचक निरीक्षण कर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1040 व नियमावली 1945 के नियमों के पालन व उल्लंघन की जांच सतत की जा रही है।

इसी क्रम में विगत दिवस ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कुछ दवा दुकान संचालकों ने क्षेत्र में निरीक्षण दल द्वारा निरीक्षण की जानकारी लगने पर तुरंत अपनी दुकाने बंद कर दी गई। जिसकी आस-पास के लोगों से जानकारी लेने पर ज्ञात हुआ की ये दुकानें पूर्व में खुली थी परंतु अन्य दुकानों पर निरीक्षण होता देख व जानकारी लगने पर संबंधित संचालकों द्वारा जांच से बचने के लिये दुकाने बंद कर दी गई।

अतः ऐसे दवा दुकान संचालकों को औषधि प्रशासन द्वारा नोटिस जारी कर इस कृत्य पर स्पष्टीकरण मांगा गया है तथा दो दिवस के भीतर उनकी दुकानों कें रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट एवं समस्त दस्तावेज रिकार्ड के साथ कार्यालय में तलब किया गया है। जिन दवा दुकानों को नोटिस जारी किये गये हैं वे नि नानुसार है- धरम मेडिकल स्टोर्स जाम, ग्राम कान्हीवाडा स्थिति बालाजी मेडिकल एवं प्रकाश मेडिकल स्टोर्स, मारूति मेडिकल स्टोर्स ग्राम चमारी एवं छपारा स्थित संजीवनी मेडीसिन पाईन्टस, ओम मेडिकल, वैभव मेडिकल है।

उक्त सभी दुकान संचालकों को उनके वैध ड्रग लाइसेंस, फार्मासिस्ट रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, विगत तीन माह के समस्त दवा खरीदी बिल, विगत दो वर्षो का औषधि विक्रय रिकार्ड (बिल बुक) शेड्यूल एवं एच-1 दवाओं का विक्रय रजिस्टर कार्यालय में प्रस्तुत करने का नोटिस जारी किया गया है। दुकान संचालकों द्वारा प्रस्तुत जवाब व दस्तावेजों की जांच के उपरांत उन पर आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। यदि दुकान संचालकों द्वारा नियत समयावधि में नोटिस का जवाब व रिकार्ड प्रस्तुत नहीं किया जाता है तो विभाग द्वारा उनके ड्रग लाइसेंस निलबन/ निरस्तीकरण की कार्यवाही की जायेगी।

नगर के यात्री प्रतीक्षालय में रह रही विकलांग महिला

अपनो ने निकाला घर से एक माह से अनाथों जैसा जीवन जी रही

छपारा यशोः- प्रत्येक मां-बाप अपनी संतान के लिए अपना सुख त्याग कर उनको अच्छी से अच्छी शिक्षा दीक्षा के साथ एक बेहतर परवरिश देते हैं और यह मानकर चलते हैं कि थी उनके बुढ़ापे की लाठी बनेंगे किंतु इस वर्तमान समय में लोग इतना स्वार्थी हो गए की उन्हें सिर्फ अपनी बीबी बच्चे तक सीमित होकर रह गए हैं।

इसी तरह का मामला एक बार फिर देखने में आया जिसमे जब पति के स्वर्गवासी होते ही बेटो ने सौतेली मां को घर निकाल दिया और वह वर्तमान में दर दर की ठोकर खा रही है।जिसने विगत एक माह से छपारा नगर के यात्री प्रतीक्षालय को अपना आश्रय स्थल बनाया है,उक्त बुजुर्ग महिला को आसपास के रहमदिल दुकानदार खाने पीने को दे देते हैं जिससे उनका गुजारा हो रहा हैं,

वही उक्त बुजुर्ग महिला मैना झरिया ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि आदेगांव से महज दो किलोमीटर दूर बसे पुरवा गांव की निवासी है,ग्राम के चैतराम झारिया के साथ उसका दुसरा विवाह हुआ था,साथ ही विगत दस बारह साल से वह साथ रहते थे,चेतराम की पहली पत्नि से तीन पुत्र राधेश्याम,शंकर,मंकट एवं उससे कोई औलाद नही हुयी पीढित महिला जो विकलांग है उसने आगे बताया कि मेरे पति की गत एक साल पहले स्वर्गवास हो गया मेरे मां बाप भी इस दुनिया में नही है, इस बात का फायदा उठाकर सौतेले बेटो ने घर की छत छीन ली और मुझे मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीढित महिला इतनी घबराई हुयी है की उस गांव मे जाने से भी उसे डर लग रहा है,साथ ही उसने पुरवा ग्राम के सरपंच सचिव से निवेदन किया कि था की मुझे वृध्दाआश्रम भेज दो लेकिन उन्होने भी इस बुजुर्ग महिला की नही सुनी। कई दिनो से भूखी प्यासी छपारा बस स्टेण्ड प्रतिक्षालय मे खुले मै रह रही हूं एक दो लोग मुझे रोज पोहा खिला देते है मेरे पास न तो पहने के कपडे है और न ओढ़ने बिछाने के कपड़े, खड्डा मे सोना हो रहा हैं। उक्त पीड़ित विकलांग महिला ने शासन प्रशासन से गुहार लगाई है कि उसे वृध्दाआश्रम भेज दिया जाए जहा उसको सर पर छत और दो वक्त का भोजन मिलने लगेगा।

शहीद की प्रतिमा और प्रवेश द्वार की मांग

पार्षदों सहित आमजनों ने सीएमआ को सौपा ज्ञापन

सिवनी जिले के छपारा नगर में जन्मे अंकित कोष्ठा वर्ष 2012 को भारतीय सेना में देश की सरहद पर शहीद हो गए थे। जहाँ शहीद उनके नाम पर प्रवेश द्वार एवं प्रतिमा स्थापित करने की मांग शहीद वार्ड पार्षद दीपक मोनू कोष्टा एवं अन्य पार्षदों सहित लोगो की जा रही है। जिसको लेकर नगर परिषद सीएमओ श्याम गोपाल भारती को ज्ञापन सौंपा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार छपारा नगर के वार्ड नंबर 6 शहीद वार्ड पर जन्मे अंकित कोष्ठा का शैक्षणिक जीवन नगर में ही रहकर हुआ।

विपरीत परिस्थिति के बावजूद अंकित के द्वारा अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद सेना में भर्ती हुए। जो ज मू कश्मीर की बटालियन में अपने 17 साथी जवानों के साथ जनवरी माह में बर्फीले तूफान की चपेट में आकर देश के नाम अपना जीवन न्योछावर कर दिया था। वहीं लोगो ने बताया कहा कि 11 साल बीतने के बाद भी प्रशासन की ओर से शहीद अंकित के स्मृति स्वरूप कोई गतिविधियां नहीं किए जाने से वर्तमान में उन्हें याद एवं उनके सर्वोच्च प्रेरणादायक देश के नाम बलिदान की सुधि नगर पर कम लोगों को ही जानकारी है। वहीं देर - सवेर ही सही नगर के पार्षदों के द्वारा नगर के गौरव शहीद अंकित कोष्ठा की स्मृतियों को लेकर कवायद शुरू कर दी गई है। क्षेत्रीय लोगो का कहना है को शीघ्र शहीद की प्रतिमा स्थापित की जाए। ज्ञापन सौंपते। समय नगर परिषद उपाध्यक्ष शिवकांत सिंह ठाकुर, शहीद वार्ड पार्षद दीपक कोष्टा, नीलू नागेश, दिनेश तिनसां एवं राकेश भारद्वाज सहित लोग मौजूद रहे।

जिले के 1385 मतदान केन्द्रों की प्रारूप सूची का किया गया प्रकाशन

सिवनी यशोः- भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मु य निर्वाचन पदाधिकारी म.प्र.भोपाल के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली के द्वितीय संक्षिप्त पुनरीक्षण के अन्तर्गत मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में कार्यवाही गतिशील है। विधानसभा क्षेत्र- 114 बरघाट के 308 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र 115 सिवनी के 334 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र 116 केवलारी के 347 मतदान केन्द्र एवं विधानसभा क्षेत्र 117 लखनादौन के 396, इस प्रकार कुल 1385 मतदान केन्द्रों की प्रारूप सूची का प्रकाशन जिला निर्वाचन अधिकारी /रिटर्निंग ऑफिसर एवं संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ?/अनुविभागीय अधिकारी द्वारा प्रकाशन कर दिया गया है। इस संबंध में किसी को कोई आक्षेप या सुझाव हो तो वे सात दिवस के भीतर संबंधित कार्यालय में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।

दैनिक यशोन्नति की खबरों के लिये एप डाउनलोड करें
https://
dainikyashonnati.
com

जबरन नॉलेज

इनकी सत्ता का भी आनंद लो -----काका हा हा हा

जैन मुनि की हत्या के विरोध में जैन समाज ने सौपा ज्ञापन

सिवनी यशोः-जैन समाज के महान विद्वान तपस्वी गुरुदेव आचार्य श्री कामकुमार नंदी जी महाराज ने चिक्कोडी जिले के हीरेखोड़ी ग्रामीण क्षेत्र में एक गुरुकुल पार्श्वनाथ जैन आश्रम की स्थापना की थी। जिसके माध्यम से वे लगभग 15 सालों से शिक्षा का प्रसार कर ग्रामीणों के विकास एवं उत्थान का महान कार्य कर रहे थे। इस हेतु वह निकट के नंदी पर्वत आश्रम पर निवास भी कर रहे थे। विगत 5-6 जुलाई को कुछ असामाजिक तत्वों ने जबरन आश्रम में घुसकर उनसे मारपीट की। करेंट लगाकर भीषण यातनाएं दीं। और फिर` रूरता पूर्वक उनके शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर बर्बरता की सारी सीमाएं लांघ दीं। इस संबंध में मध्यप्रदेश सरकार से हमारा निवेदन है कि स्पेशल पुलिस टास्क फोर्स के माध्यम से गंभीरता से जांच कराकर सभी अपराधियों को तुरंत गिर तार करवाने में सहयोग प्रदान करे। वहीं समाज के लोगो ने यह भी कहा स्वतंत्र भारत के इस सबसे जघन्य एवं नृशंस हत्याकांड ने कर्नाटक के धार्मिक गौरवशाली इतिहास पर एक काला धब्बा लगा दिया है। संपूर्ण विश्व का जैन समाज इस अविश्वसनीय बर्बर घटना से बेहद दुखी और आक्रोशित है। और कैसे अपने पूज्य जैन साधुओं की सुरक्षा कर सकें ? अपराधियों के खिलाफ सरकार 5-6 सप्ताह के अंदर चार्ज शीट दाखिल करवाने में सहयोग प्रदान करे। फास्ट ट्रेक कोर्ट के माध्यम से अपराधियों पर मुकदमा चलवाकर उन्हें शीघ्र मृत्युदंड की सजा दिलाई जाए। समग्र भारत वर्ष में विहार एवं प्रवासरत सभी जैन साधुओं की मजबूत सुरक्षा की व्यवस्था करवाने में सहयोग प्रदान करें। इस मौके पर।

मुनिया टांक बने किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष

सिवनी यशोः-जिले में वर्षो से भाजपा की रीति नीति व सरकार की जन हित की योजनाओं को आम नागरिकों व मतदाताओं तक पहुचाने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले कस्तूरबा वार्ड निवासी युवा मुनिया टांक को भाजपा किसान मोर्चा सिवनी का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

मु यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से सिवनी में सबसे ज्यादा नजदीकी स बंध रखने वाले मुनिया ने केवलारी विधानसभा के विगत चुनाव में भाजपा केंडिडेट राकेश पाल व सिवनी में मूनमुन राय के पक्ष में रणनीति बनाकर चुनाव में अहम भूमिका निभाई थी,वर्तमान में वे नगर में सक्रिय विभिन्न सघटनो से जुड़े रहकर जिले के विकास के लिये केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार से स पर्क में है,रेल विकास समीति के सचिव मुनिया राजनीतिक तौर पर एक ऐसे कट्टर भाजपा कार्यकर्ता माने जाते है जिनकी भूमिका जिला ,जनपद पंचायत व पार्षद चुनावो में भी निर्णायक होती है।

विगत दिवस भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शदर्शनसिंह चौधरी के निर्देशानुसार एवं भाजपा किसान मोर्चा के संभागीय सहप्रभारी संजय से सेना जिला प्रभारी वीरेंद्र राय एवं किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष देवीसिंह बघेल की सहमति से, सक्रिय भाजपा युवा नेता तरुण मुनिया टांक को किसान मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्हें किसान मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकार्त्ताओं ने हार्दिक बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

भारत ही नहीं विश्व के लिए चिंताजनक है मुस्लिमों की तीव्र वृद्धि

विश्व के लिए चिंता
मुस्लिम जनसंख्या की तीव्र वृद्धि

भारत मे मुस्लिम जनसंख्या अंतराष्ट्रीय दृष्टिकोण

प्रवीण गुगनानी-

भारत में कॉमन सिविल कोड या समान नागरिक संहिता के माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण की यदि सर्वाधिक आवश्यकता है, तो वो ठीक अभी ही है। विश्व की सर्वाधिक बड़ी जनसंख्या वाले किंतु क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व मे सातवें स्थान पर आने वाले भारत के लिए जनसंख्या स्वाभाविक ही एक चिंतनीय विषय है। चिंता के इस विषय मे ÷भारत में मुस्लिम प्रजनन की कम होती किंतु फिर भी हिंदुओं से अधिक वाली जन्म दर÷ सदैव ही उल्लेखनीय रहता है। मुस्लिम समाज को शेष भारतीय समाज की यह ÷मुस्लिमों की अधिक जन्म दर वाली चिंता÷ स्वाभाविक ही बुरी लगती होगी, किंतु; शेष भारतीय समाज को लगता है कि यह चिंता होती रहनी चाहिए, और इस चिंता के निवारण के उपाय भी अपनाए जाने चाहिए। इस चिंता का प्रकटीकरण और निवारण के उपाय की चर्चा - यह भारत हिंदू - मुस्लिम दूरियों का एक बड़ा कारण है।

मुस्लिम जनसंख्या की बढ़ती दर केवल मुस्लिम प्रजनन दर से ही नहीं बल्कि लव जिहाद आदि से भी दिखती है, जिससे हिंदू - मुस्लिम का यह जनसंख्या विवाद समय समय पर और अधिक पैना और तीक्ष्ण होता रहता है। अधिक मुस्लिम जनसंख्या घनत्व वाले क्षेत्रों मे मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि की दर अपेक्षाकृत और अधिक तेज होते जाना, उन क्षेत्रों मे मुस्लिम समाज का शासन प्रशासन मे हावी होना या उन क्षेत्रों मे मुस्लिम शासकों का शासन होना; यह भारत के पिछले विभाजनों का कारण रहा है। यह एतिहासिक तथ्य और दृष्टि भारत के शेष समाज मे मुस्लिम जन्म दर के प्रति एक भय उत्पन्न करती है।

प्राचीन सनातन भारत मे वर्ष 711 के बाद के मुस्लिम आगमनों और आक्रमणों से लेकर अब तक के मुस्लिम राष्ट्रों के निर्माण का मार्ग सहज नहीं अपितु रक्तरंजित रहा है। यह सनातन या हिंदू के सिमटने और इस्लाम के असहज विस्तारवाद का इतिहास रहा है।

आज भारतीय मुस्लिम को यह स्वीकार करना चाहिए कि यदि भारतीय हिंदू अब जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्तियों के प्रति चिंतित है तो यह उसे इतिहास से मिले सबक के कारण है। मुस्लिम समाज को इस हिंदू दृष्टिकोण के प्रति तनिक संवेदनशील होना होगा और हिंदू समाज को उसके चिरंतन सर्वसमावेशी स्वभाव को बनाए रखना होगा। वर्ष 711 में अरब आक्रमणकारियों ने सिंधु डेल्टा क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया और वहां एक मुस्लिम राज्य की स्थापना की। यह क्रम बढ़ते ही रहा। दसवीं शताब्दी के अंत तक, मध्य एशियाई मुसलमान पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में फैल गये। भारतीय उपमहाद्वीप मे इस्लामिक विस्तार किसी भी दृष्टि से कोई सांस्कृतिक घटना तो थी नहीं। यह एक विस्तारवादी, आक्रमणकारी, अतिक्रमणकारी, और तलवारवादी घटना थी। इन घटनाओं का आनुवांशिक प्रभाव भारत के एक सौ पच्चीस करोड़ हिंदुओं के मानस है। मानव चेतना के इस बढ़ते युग मे देश का हिंदू समाज अपने हिमालय से हिंद महासागर तक और ईरान से लेकर इंडोनेशिया तक विस्तारित देश का स्मरण करके वर्तमान भारत को सर्वसमावेशी, सर्वस्पर्शी होते हुए व अन्य समुदायों के अधिकारों को सरंक्षित करते हुए आगे बढ़ना चाहता है तो उसकी इस विशुद्ध लोकतांत्रिक कामना को आदरपूर्वक स्वीकार करना चाहिए। वितंडे, विभेद और विमत यहीं से प्रारंभ होते हैं। मुसलमान अपने पुरखों की तलवार से कब्जाए गए भूभागों की जनसंख्या मे आए धर्म परिवर्तनों मध्ययुगीन बर्बर घटना नहीं मानता है और सिमटा हुआ हिंदू इसे स्वाभाविक ही बर्बर और अमानवीय मानता है। आनुवांशिक रूप से हिंदू समाज का अहिंसा प्रेमी होना और मुस्लिम समाज का ÷एक हाथ मे तलवार और दूसरे हाथ मे कुरान लेकर इस्लाम का विस्तार करना÷ के रक्तरंजित इतिहास के प्रति खेद प्रकट करने के स्थान पर गौरव भाव को रखना विभेद व दूरियों को बढ़ाता है। बढ़ती शिक्षा, जागृति व लोकतन्त्र के इस युग मे अब तलवार, जबरन धर्मांतरण, लव जिहाद के षड्यंत्र, लैंड जिहाद के कुचक्र जैसे शब्द भारतीय समाज मे असहजता व अधीरता निर्मित करते हैं।

इस अधीरता और परस्पर अविश्वास से भरे भारत के समक्ष अब एक ही मार्ग है कि हिंदू-मुसलमान के मध्य प्रकट और अप्रकट चिंताओं, शंकाओं और आशंकाओं का चिंतन करते हुए, उनका शमन करते हुए परस्पर विश्वास का एक नए भारत का निर्माण करना। इस नए भारत के निर्माण मे भारतीय मुस्लिम समाज की अपेक्षाकृत अधिक जन्मदर अविश्वास का एक बड़ा कारण तो है ही साथ ही साथ मुस्लिम समाज के सर्वदृष्टि से पिछड़े रहने का भी बड़ा कारक तत्व है।

जन्मदर को कम करने के प्रति किए जाने वाले उपायों के प्रति कथित इस्लामिक विद्वान और धर्मगुरु तत्काल नकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं। पिछले ही वर्ष की बात है जब ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वाइस-चेयरमैन मौलाना कल्बे सादिक ने कहा कि इस्लाम परिवार नियोजन के खिलाफ नहीं है तब उनकी तीव्र आलोचना हुई और उनकी तमाम प्रकार से लानत मलामत की गई।

भारतीय मुस्लिम विशेषतः निर्धन भारतीय मुस्लिम समाज मे आज भी जन्मदर को रोकने के प्रति धर्मांधता का वातावरण बनाकर रखा गया है। झुग्गी झोपड़ी मे रहने वाले और केवल अधिक जन्मदर के कारण विकास व शिक्षा से बहुत दूर इस निर्धन मुसलमान वर्ग को मुसलमान धर्मगुरु, अमीर मुसलमान और चुनावी मुसलमान ये तीन लोग ऊपर आने ही नहीं देना चाहते हैं।

इस्लाम में, कुरान मेंकहीं भी परिवार नियोजन धर्म विरुद्ध नहीं है किंतु भारत मे मुस्लिम समाज का एक बड़ा वर्ग परिवार नियोजन को इस्लाम विरोधी गतिविधि मानकर इससे दूर ही रहता है। भारतीय इस्लामिक विद्वान परिवार नियोजन की तुलना शिशुहत्या से करते हैं किंतु विश्व प्रसिद्ध अल-अजहर (इस्लामिक) विश्वविद्यालय, काहिरा के पूर्व प्रमुख जनसंख्या सलाहकार प्रोफेसर अब्देल रहीम ओमरान बताते हैं, इस्लाम न केवल परिवार नियोजन की अनुमति देता है, बल्कि गर्भ निरोधक व अन्य जन्म नियंत्रक उपायों का समर्थन भी करता है।

स्वयं पैगंबर मुहम्मद कहते हैं - ÷बिना किसी पर्याप्त साधन के अधिक बच्चे पैदा करना सबसे भीषण परीक्षा है और अधिक बच्चे गरीबी का प्रमुख कारण है। शाह अब्देल अजीज ने 19 वीं सदी की अपनी प्रसिद्ध कुरान की तफ़सीर में कहा है¬÷गर्भनिरोधक को रोकने के लिए सहवास से पहले या बाद में दवाओं का उपयोग अल अज़्ल की तरह ही वैध है। इमाम शाफ़ेई ने कुरान की आयत (सूरा 4¬3-4) की व्याख्या इस प्रकार की है¬ बहुत सारे बच्चों से बचने का सबसे अच्छा तरीका एक विवाह परम्परा को अपनाना है। औरंगजेब के शासनकाल मे इस्लामी कानून को संहिताबद्ध करने वाले कई सैकड़ा इस्लामिक धर्मगुरु और विद्वान इस बात पर सहमत थे कि साथी की सहमति से गर्भनिरोधक जायज है।

हालात यह है कि विगत पचास वर्षों मे बांग्लादेश और कुवैत सहित विश्व के 6 मुस्लिम देशों ने प्रजनन दर को सबसे ज्यादा घटाया है। ईरान जैसा इस्लामिक देश तो अपनी घटती जनसंख्या से परेशान है। किंतु, भारत मे मुस्लिम बालविवाह, मुस्लिम बहुविवाह, अपेक्षाकृत अधिक मुस्लिम जनसंख्या, बढ़ी हुई मुस्लिम प्रजनन दर, पर कोई बात ही नहीं करना चाहता। हमारा समाज इन सारी समस्याओं की अनदेखी करने की गलती विगत आठ - दस दशकों से कर रहा है और अब समय आ गया है कि इन समस्याओं के निराकरण पर हमारे राष्ट्र का ध्यान केंद्रित हो।

हमारे देश मे बहुधा ही सड़क से लेकर संसद तक, धूल धूसरित गलियों से उच्च वर्गीय गलीचों तक, मंदिर से मस्जिदों तक, मदरसों से विश्वविद्यालयों तक और सुदूर ग्रामों की चौपालों से दूरदर्शन की बहसों हिंदू-मुस्लिम की बहसों मे उलझे रहते हैं। श्रमिकों से लेकर शिक्षक, प्रोफेसर, एकेडेमेशियन, किसान, व्यवसायी, उद्योगपति, कार्पोरेट, ब्यूरोक्रेट, टेक्नोक्रेट, नेता, धर्मगुरु, आदि आदि सभी हिंदू मुसलमान के मुद्दे पर मुखरता से सोचते, विचारते, मथते, बहस करते और यहां तक की हिंसा, दंगे, मारकाट, लूटपाट और आगजनी करते दिखाई देते हैं। इन दुर्घटनाओं मे अपनी अपनी धार्मिक पहचान को खोने पाने की जद्दोजहद और अहम के अतिरिक्त और कुछ नहीं होता। हिंदू-मुसलमान की इन नब्बे प्रतिशत घटनाओं के मूल मे बहुसंख्यक समाज की यह भावना होती है कि - मुसलमान अपनी जनसंख्या बढ़ाकर इस देश के नीति निर्माण संस्थानो पर कब्जा कर लेंगे।

बहुसंख्यक समाज की इस सोच को इतिहास के कुछ अध्याय, वर्तमान समाज मे घटती कुछ घटनाएं, कुछ घटनाओं और प्रक्रियाओं से समाज मे परिलक्षित होते कुछ परिवर्तन, कुछ जनसांख्यिकीय नंबर, नित सांस्कृतिक अतिक्रमण के समाचार, नित धार्मिक त्योहारों मे आमने सामने होने की घातक स्थिति आदि आदि से पता चलता है कि संबंधों को सहेजने, संभालने और सँवारने का सही समय अब आ गया है। संबंधों को सहेजने, संभालने और संवारने की प्रक्रिया का प्रारंभ तब ही हो पाएगा जब हम जनसंख्या के संदर्भ मे भारतीय मानस मे बस गई इस चिंता को समझें।

सर्वप्रथम बहुसंख्यक समाज की इस चिंता को मान्यता प्रदान करें। यह समझें की यह चिंता निर्मूल नहीं है। कुछ सांख्यिकीय (आंकड़े), कुछ प्रवृत्तियां और बहुत बड़ा इतिहास इस चिंता का आधार है। जब हमारे राष्ट्र का समूचा समाज विशेषतः यहां का मुस्लिम समाज और तथाकथित सेकुलर और प्रगतिशील लोग इस चिंता मे अपने स्वर मिला देंगे तो निश्चित ही समाज मे सद्भाव, समन्वय और सौख्यता निर्झर रूप मे प्रवाहित होने लगेगी। बहुसंख्यक समाज की इस जनसंख्या असंतुलन की चिंता को और मुस्लिम समाज व तुष्टिकरण के सेकुलर लोगों द्वारा इस चिंता की अनदेखी करने को आप कुछ इस तरह से समझिए -

अमेरिकी थिंक टैंक प्यू रिसर्च सेंटर ने वैश्विक मुस्लिम जनसंख्या पर अपने अध्ययन मे सिद्ध किया है कि तमाम प्रकार के दावों के बाद अब भी भारत मे मुस्लिम जनसंख्या की वृद्धि दर अन्य धर्मो की अपेक्षा बहुत अधिक है। वर्ष 2060 मे वैश्विक जनसंख्या को नीचे दिये प्यु रिसर्च के चार्ट से समझिए -सबसे अधिक मुस्लिम इंडोनेशिया है में हैं जहां 2015 मे 22 करोड़ मुस्लिम रहते थे, दूसरे स्थान पर भारत 20 करोड़, तीसरे स्थान पर पाकिस्तान साढ़े अट्ठारह करोड़, चौथे स्थान पर बांग्लादेश साढ़े चौदह करोड़, और पांचवें स्थान पर नौ करोड़ मुस्लिम जनसंख्या वाला देश नाइजीरिया है। प्यु रिसर्च के अनुसार यदि मुस्लिम जनसंख्या की यह भयावह दर बनी रही तो 2060 तक भारत सबसे अधिक मुस्लिम जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। इस सूची मे छठें स्थान पर इजिप्ट, सातवें स्थान पर इराक, आठवें स्थान पर तुर्की, 9वें स्थान पर ईरान और 10 वें स्थान पर अफगानिस्तान है। 2015 में वैश्विक मुस्लिम जनसंख्या पौने दो अरब थी जो 2060 मे भयावह रूप से बढ़कर तीन अरब हो जाएगी। वर्तमान मे विश्व में ईसाई जनसंख्या 2.3 अरब है और इस्लाम 1.8 अरब जनसंख्या के साथ दूसरे नंबर पर है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुमानानुसार 2060 विश्व में तीन अरब ईसाई और तीन अरब से कुछ अधिक मुस्लिम जनसंख्या हो जाएगी।

इस प्रकार वर्तमान समय मे मुस्लिम जनसंख्या की तीव्र वृद्धि केवल भारत के लिए नहीं अपितु समूचे विश्व के लिए सर्वाधिक चिंता का विषय है। विश्व मे और भारत मे हिमालय जैसी चिंता का एक विषय यह भी है कि इस्लाम की बसाहट अपने पारंपरिक और ऐतिहासिक केंद्रों से दूर हो रही है। विश्व के सर्वाधिक मुस्लिम जनसंख्या वाले देश अब या तो दक्षिण एशिया, दक्षिणपूर्व एशिया में या अफ्रीका में हो गए हैं और जबकि मध्य-पूर्व देश इस क्रम मे पीछे से पीछे हो गए हैं। बसाहट के नए केंद्रो पर योजनापूर्वक मुस्लिम जनसंख्या की तीव्र वृद्धि और परंपरागत केंद्रो पर जनसंख्या वृद्धि की सामान्य से कम प्रतिशत मे वृद्धि शेष विश्व मे चिंता, शंका, आशंका उत्पन्न करती है। मदरसों, मस्जिदों, मजलिसों आदि मे मुस्लिम धर्मगुरुओं द्वारा दी जाने वाली तकरीरों और भाषणों (जिनके वीडियो कई बार अंजाने मे बाहर लीक हो जाते हैं) मे जनसंख्या की सिलसिलेवार, योजनाबद्ध वृद्धि और बसाहट की विशिष्ट रीति नीति बताने से भी भारतीय और वैश्विक अल्पसंख्यक समुदाय मे असंतोष उपजता है।

कई अवसरों पर ऐसा स्पष्ट देखने मे आया है कि मुस्लिम समाज कुछ क्षेत्र विशेष मे अपनी बसाहट से टैं टकल वोटिंग अर्थात लक्ष्यबद्ध और लक्ष्यसिद्ध वोटिंग करा लेने के सफल प्रयोग बहुधा ही करने लगा है। मुस्लिम की इस टैं नकल बसाहट से टैं टकल वोटिंग करा लेने के सफल इस्लामिक प्रयोगों से भी बहुसंख्यक समुदाय मे शंका, कुशंका, आशंका उपजती है।

टैं टकल वोटिंग के माध्यम से मुस्लिम समाज कई बार किसी को हराने के लिए और कुछ अवसरों पर किसी को जिताने के प्रयास करता है। मुस्लिम समाज मे टैं टकल वोटिंग के बढ़ते चलन से राजनैतिक दल मुस्लिम समाज को लाभ हानि के गणित से देखते हुए या तो उससे दूरी बनाने लगते हैं या उसका तुष्टिकरण करके मुस्लिमो को निर्भर मनुष्य बना देते हैं। आज मुस्लिम समाज की निर्धनता, अशिक्षा, पिछड़ापन इस तुष्टिकरण की ही देन है। अखंड भारत में कभी इस्लाम था ही नहीं। भारत में इस्लाम का प्रवेश वर्ष 711 में अरबों द्वारा सिंध पर हुए आक्रमण के साथ हुआ। यद्दिप इसके बाद ढ़ाई सौ वर्षों तक भारत मे इस्लामिक प्रभाव और जनसंख्या वृद्धि की दर अत्यंत सीमित रही। इसके बाद वर्ष 1001 में तुर्कों ने तब के गांधार या उपगणिस्तान (आज का अफगानिस्तान) के मार्ग से भारत में प्रवेश किया। तुर्कियों ने एक हाथ मे तलवार दूसरे हाथ मे कुरान की नीति के साथ भारत मे इस्लाम का प्रसार तेज किया। वर्ष 1001 से चौदहवीं शताब्दी के प्रारंभ होने तक सुदूर उत्तर से भारत मे घुसे मुसलमान आक्रमणकारियों ने दक्षिण भारत के दक्कन तक अपने पंजे गड़ा दिये थे। भारत मे इस्लामिक जनसंख्या के विस्तार हेतु यह महत्वपूर्ण और मीलके पत्थर जैसे वर्ष रहे। भारत मे तेज इस्लामिक वृद्धि का यह क्रम वर्ष 1707 तक सतत चलते रहा।

इस कालखंड मे इस्लाम ने अपनी निर्मम आक्रामकता से जितना इस्लाम का प्रसार किया उससे कई गुना अधिक भारतीय के सांस्कृतिक, धार्मिक, शैक्षणिक और आर्थिक संस्थानों का विध्वंस किया। तक्षशिला से लेकर सोमनाथ तक और अयोध्या से लेकर मथुरा काशी तक के एतिहासिक निर्माणों व प्रकल्पों को निर्ममता और निष्ठुरता से नेस्तनाबूद कर दिया। मुस्लिम आक्रमणकारियों ने बड़े ही अत्याचारपूर्वक हिंदुत्व को समाप्त करने व इस्लाम की स्थापना हेतु तमाम षड्यंत्र, कई कई भीषण नरसंहार, आक्रमण, हिंदू स्त्रियों से बलात विवाह और हिंदू परंपराओं को कुचलने का लंबा क्रम चलाया। भारत मे मुस्लिम इतिहास के ये सतत चलने वाले आक्रमण, अत्याचार, विध्वंस और विनाश के ये कृत्य आज भी भारत के हिंदू समाज के ह्रदय मे शूल की तरज चुभते हैं और शोले भड़का देते हैं।

ऐसा नहीं है कि इन स्वतंत्र भारत मे मुस्लिमों द्वारा किए गए विध्वंस को हिंदू भूलता नहीं, इन घटनाओं के प्रति मुस्लिम समाज मे पश्चाताप का भाव भरा हुआ भी रहा। स्वतंत्र भारत के सत्तर वर्षीय शासनकाल में कांग्रेस ने मुस्लिम समाज को अपनी तुष्टिकरण की नीति और वोट बैंक की राजनीति के लक्ष्य के कारण और अधिक पैना व आक्रामक बनाने मे कोई कसर नहीं छोड़ी।

भारतीय स्त्रियों के साथ मुस्लिमों द्वारा जबरन, अत्याचारपूर्वक किए गए लाखों विवाहों व बलात धर्मांतरण की घटनाओं ने भारत मे मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि दर को तीव्र किया। ÷मार मारकर मुसलमान बनाना÷ जैसा मुहावरा इस कालखंड का ही प्रतिबिंब है।

सर्वथा समयोचित ही होगा कि हम जन्म के अतिरिक्त मतांतरण और लवजिहाद से होने वाली मुस्लिम समाज की बढ़ती जनसंख्या का भि विचार करें। खेद है कि इस विषय मे कोई प्रामाणिक आंकड़े उपलब्ध नहीं है किंतु समाज मे इस प्रकार की नित आती घटनाओं से हम जनसंख्या वृद्धि के इस प्रकार की भीषणता को भी समझ सकते हैं। वस्तुतः समाज और देश मे धार्मिक अशांति का बड़ा धर्मांतरण और लव जिहाद ही है।

यदि हम वर्ष 2011 के जनसंख्या आंकड़ों का अध्ययन, विश्लेषण करें तो पाएंगे की हिंदू मुस्लिम मे प्रजनन दर मे एक बड़ा अंतर अब भी सतत बना हुआ है। इन असमान जनसंख्या वृद्धि दरों ने भारत मे विषैले विवादों को तो जन्म दिया ही साथ ही साथ देश के नीति निर्माताओं, अर्थशास्त्रियों, समाज शास्त्रियों, शिक्षाविदों व शासन-प्रशासन मे कई विवादों और चिंताओं को जन्म दिया है। शाश्वत घोष इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज कोलकाता (ढ्ढष्ठस्) के एसोसिएट प्रोफेसर हैं, उनके द्वारा जनसंख्या असंतुलन पर किए गए अध्ययन मे चेतावनीपूर्ण व संदेशवाही तथ्य सिद्ध हुए हैं। इस अध्ययन मे भारतीय महिलाओं की टी एफ आर (टोटल फर्टिलिटी रेट) के संदर्भ मे जिलेवार किए गए अध्ययन के निष्कर्ष को पढ़ना और समझना समयोचित होगा। प्रोफेसर शाश्वत घोष द्वारा रचित आगे दी गई तालिका मे आप दोनों समुदायों की जन्म दर और टी एफ आर को समझ सकते हैं।

2001 और 2011 के बीच टीएफआर में प्रति महिला 1.0 बच्चे की गिरावट थी। हिंदुओं में टीएफआर 3.1 से घटकर 2.1 हो गई (2.1 के टीएफआर को प्रजनन का ÷प्रतिस्थापन स्तर÷ कहा जाता है, यह वह दर है जिस पर जनसंख्या एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में खुद को बदल लेती है)। उधर मुस्लिम समाज मे में यह जन्म दर 4.1 से घटकर 2.7 तक ही आ पाई। अर्थात कम तो हुई किंतु हिंदुओं से लगभग 30त्न अधिक ही रही। दी हुई तालिका मे आप मुस्लिम टी एफ आर का अनुमान और जनसंख्या आंकड़ो और अनुमानों के साथ टी एफ आर की तुलना से देश मे जनसंख्या संदर्भ मे बढ़ती चिंताओं को समझ सकते है- इसी अध्ययन को आगे दी हुई तालिका मे जिलेवार समझ सकते हैं। 618 जिलों में से 331 जिलों में हिंदुओं का टीएफआर प्रजनन के प्रतिस्थापन स्तर पर या उससे नीचे पहुंच गया है, जबकि मुस्लिमों का टीएफआर 217 जिलों में ही इस स्तर को प्राप्त कर पाया है।

यहां यह अत्यंत उल्लेखनीय है और चिंतनीय भी कि देश भर मे टी एफ आर को नीचे लाने के लिए सरकारें बहुतेरे प्रयास कर रहीं हैं किंतु इन प्रयासों का मुस्लिम समाज की जनसंख्या वृद्धि पर अत्यंत क्षीण है। एक और अन्य अध्ययन शाश्वत घोष एवं पल्लबी दास मे संयुक्त रूप से किया है, उसमें विगत 30 वर्षो के प्रजनन क्षमता के रुझान का अध्ययन किया गया है। आगे दिये हुए ग्राफ के माध्यम से उन्होने बताया है कि 1992 और 2019 के मध्य हिंदुओं की टी एफ आर 3.3 से घटकर 1.9 हो गई, जबकि मुसलमानों में यह 4.4 से घटकर 2.4 हो गई है- टी एफ आर मे गिरावट की गति उत्तर प्रदेश और असम में सबसे तेज़ और केरल में सबसे धीमी पाई गई।

राजनीतिक स्वार्थ के लिए संघ की छवि धूमिल कर समाज को बांटना चाहते हैं दिग्विजय

प्रबुद्ध नागरिकों ने की कांग्रेस नेता के विरुद्ध कार्यवाही की मांग

स्व.श्री गुरु गोलवलकर जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर जिलाधीश को सौंपा ज्ञापन

ग्वालियर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर 'गुरुजी' पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के विरुद्ध उचित कानूनी कार्यवाही की मांग को लेकर शहर के प्रबुद्ध नागरिकों ने सोमवार को जिलाधीश की अनुपस्थिति में अपर कलेक्टर एचबी शर्मा को ज्ञापन सौंपा। श्री शर्मा ने आश्वासन देते हुए कहा कि इस मामले में विचार कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

ज्ञापन सौंपते समय प्रबुद्ध नागरिकों ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह राजनीतिक स्वार्थपूर्ति के लिए संघ की छवि धूमिल कर समाज को बांटना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह ने एक भ्रामक पोस्ट अपने फेसबुक एवं ट्वीटर पर श्री गुरु जी के चित्र के साथ डाली है। जिसके कैप्शन में लिखा है गुरु गोलवलकर जी के दलित, पिछड़ों और मुसलमानों के लिए व राष्ट्रीय जल, जंगल व जमीन पर अधिकार पर क्या विचार थे अवश्य जानिए। इस पोस्ट के साथ जो पोस्टर शेयर किया गया है उसमें लिखा था सदाशिवराव गोलवलकर जी ने अपनी पुस्तक वी एंड अवर नेशनहुड आईडेंटीफाइड में स्पष्ट लिखा है जब भी सत्ता हाथ लगे तो सबसे पहले सरकार की धन, संपत्ति, राज्यों की जमीन और जंगल पर अपने 2-3 विश्वसनीय धनी लोगों को सौंप दें, 95 प्रतिशत जनता को भिखारी बना दें, उसके बाद सात जन्मों तक सत्ता हाथ से नहीं जाएगी। इस बात के नीचे श्री गोलवलकर जी की फोटो लगी हुई है। जिसके नीचे लिखा है, मैं सारी जिंदगी अंग्रेजों की गुलामी करने के लिए तैयार हूं, लेकिन जो दलित, पिछड़ों और मुसलमानों को बराबरी का अधिकार देती हो ऐसी आजादी मुझे नहीं चाहिए। गोलवलकर गुरु जी 1940।

प्रबुद्ध नागरिकों ने कहा कि दिग्विजय सिंह की इस पोस्ट से करोड़ों भारतवासियों की भावनाएं आहत हुई हैं। भारत का प्रत्येक नागरिक श्री गुरु जी के व्यक्तित्व, चरित्र एवं उनके कृतित्व से भली भांति परिचित है। इस देश के जनमानस में यह स्पष्ट है कि श्री गुरुजी जीवन पर्यंत विभिन्न वर्गों में बटे समाज को प्रेम, सौहार्द सद्भावना और समरसता के रास्ते पर चलाकर एक करने के लिए प्रयत्नशील रहे हैं।

उनके त्यागी, तपस्वी,प्रेरणादायक जीवन से प्रेरित होकर करोड़ों भारतवासी उनके प्रति अपनी आस्था रखते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह इससे पहले भी तुष्टिकरण की नीति के तहत राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं इससे जुड़े करोड़ों स्वयंसेवकों को बदनाम कर समाज को बांटने का प्रयास कर रहे हैं। जिससे उनकी सत्ता प्राप्त करने की राजनैतिक स्वार्थपूर्ति हो सके।

ज्ञापन देने वालों में अखिल भारतीय पुजारी संघ के महासचिव गौरव महाराज, दीपक सचेती, डीआरडीई ग्वालियर के पूर्व निदेशक देवेन्द्र कुमार दुबे, संजीव बंसल, उप महाधिवक्ता वीरेन्द्र पाल, रविन्द्र कुशवाह, अतिरिक्त महाधिवक्ता विवेक खेडक़र, निर्मल कोठारी, पप्पू वर्मा, डॉ.राजेन्द्र गुर्जर, डॉ.संगीता वाल्मीकि, रीना सोलंकी, प्रमोद मिश्रा, रमाकांत समाधिया, हेमलता राव, दीप्ती सांघी, कर्नल श्रीमनजी, नेहा अग्रवाल आदि शामिल रहे।

मप्र की महिला जूनियर हॉकी टीम सम्मानित

खेल मंत्री श्रीमती सिंधिया ने प्रशस्ति-पत्र के साथ प्रदान की 11.80 लाख की प्रोत्साहन राशि

भोपाल। मप्र की जूनियर महिला हॉकी टीम को राष्ट्रीय चेंपियनशिप जीतने का पुरस्कार मिल गया है। खेल और युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने टीम को प्रशस्ति-पत्र और 11 लाख 80 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की है। टीम की सभी 18 खिलाड़ियों को 50-50 हजार, मुख्य कोच को एक लाख, दो सहायक कोच को 50-50 हजार तथा चार सपोर्ट स्टाफ को 20-20 हजार रूपये की राशि प्रदान की गई है।

मंत्री श्रीमती सिंधिया ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह मध्यप्रदेश के लिए गौरव का क्षण है। हमारे खिलाड़ियों ने यह साबित कर दिया है अपने उम्दा खेल और प्रशिक्षकों की बेहतरीन खेल रणनीति से प्रदेश की पुरूष और महिला टीम ने हॉकी जूनियर नेशनल ट्रॉफी पर अपना क़ब्ज़ा जमाया है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और सम्मान उन्हें और कड़ी चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करता है। मप्र की महिला हॉकी टीम 13वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चेंपियनशिप के फाइनल में झारखंड को 1-0 से हराकर चैंपियन बनी थी। मप्र की टीम ने पूल-ई में अपने पहले मैच में पुडुचेरी को 25-0 से, जम्मू-कश्मीर को 21-0 से और क्वार्टर फाइनल में कर्नाटक को 7-1 से, सेमीफाइनल में महाराष्ट्र को 9-0 से हराकर फाइनल का सफर तय किया था।

मप्र टीम इस प्रकार है

योगिता वर्मा, निरूपमा देवी, प्रियंका यादव, आश्रिता ठाकुर, रितयाना साहू, भूमिक्षा साहू, याशिका भदौरिया, सोनिया कुमरे, ज्योति सिंह, लवदीप कौर, गुरमैल कौर, परिणिती कौर, सोनिया देवी, सोनम, कार्तिका कश्यप, रितिका विश्वकर्मा, सलीनी अली और विशाखा लिखितकर। मुख्य कोच परमजीत सिंह, सहायक कोच नेहा रावत और वंदना उइके। मैनेजर रैना यादव, फिजियोथेरेपिस्ट उमेश कुमार, साइकोलॉजिस्ट भावना चौहान और स्ट्रेंग्थं एंड कंडीशनिंग ऐ सपर्ट विजय विग्नेश।

पुरुष टीम को भी किया था सम्मानित

मप्र की पुरूष जूनियर हॉकी टीम को भी इसी तरह प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया था। खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने मंगलवार को पुरूष हॉकी टीम के मुख्य प्रशिक्षक एवं ओलंपियन श्री समीर दाद पूरी टीम के सभी सदस्यों से मुलाकात कर बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएँ दी।

आरएसएस की अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक 15 जुलाई तक

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय ÷प्रांत प्रचारक बैठक÷ इस वर्ष दिनांक 13, 14 एवं 15 जुलाई 2023 को कोयम्बटूर के निकट ऊटी (जिला नीलगिरी), तमिलनाडु में आयोजित हो रही है. यह वार्षिक बैठक मुख्यतः संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करने हेतु प्रतिवर्ष आयोजित होती है.

इस बैठक में पूजनीय सरसंघचालक डॉ. मोहन जी भागवत, माननीय सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले जी के साथ सभी सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल, डॉ. मनमोहन वैद्य, श्री सी.आर. मुकुंद, श्री अरुण कुमार, श्री रामदत्त मुख्य रूप से सहभागी होंगे.

बैठक में सभी प्रांतों के प्रांत प्रचारक तथा सह प्रांत प्रचारक एवं क्षेत्र प्रचारक व सह क्षेत्र प्रचारक के साथ सभी कार्य विभागों के अखिल भारतीय अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे. बैठक में संघ प्रेरित विविध संगठन के अखिल भारतीय संगठन मंत्री भी शामिल होंगे.

केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते का दौरा कार्यक्रम

सिवनी यशोः- केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते प्राप्त अधिकृत कार्यक्रमानुसार गुरूवार 13 जुलाई को जबलपुर से प्रस्थान कर दोपहर 12.30 बजे विकासखण्ड लखनादौन ग्राम आदेगांव पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री कुलस्ते दोपहर 3 बजे घंसौर विकासखण्ड के ग्राम केदारपुर पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा शाम 6.30 बजे केदारपुर से मण्डला के लिए प्रस्थान करेंगे।

शांति एवं विवाद निवारण समिति की कार्यशाला में कलेक्टर-एसपी हुए शामिल

विवाद निवारण समिति तथा पेसा अधिनियम प्रावधानों की दी विस्तृत जानकारी

सिवनी यशोः- शांति एवं विवाद निवारण समिति तथा पेसा अधिनियम प्रावधानों, पेसा मोबलाईजर को लेकर जनपद पंचायत छपारा मण्डी प्रांगण में आयोजित हुई एक दिवसीय कार्यशाला में कलेक्टर श्री क्षितिज सिंघल एवं पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव शामिल हुए। कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी श्रीमती निधि सिंह राजपूत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लखनादौन श्री हिमांशु जैन, पेसा एवं वनाधिकार टास्क फोर्स समिति के सदस्य डॉ श्याम सिंह कुमरे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सुमन खातरकर सहित एडीईओ श्री बी.डी. डहेरिया, मास्टर ट्रेनर श्री मोरापे, श्री अंकित सिंग, पीसीओ री अशोक सिंह उइके तथा ग्रामसभा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, समिति के सदस्यों एवं ग्रमीणों की उपस्थिति रही।

आयोजित हुई कार्यशाला में कलेक्टर श्री क्षितिज सिंघल द्वारा उपस्थितजनों को मध्यप्रदेश पंचायत उपबंध (अनुसूचति क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम-2022 को लेकर राज्यशासन का विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने पेसा अधिनियम प्रावधानों के संबंध में शासन के उद्देश्य से अवगत कराते हुए शांति एवं विवाद निवारण समिति द्वारा विवादों का निराकरण करने की बात कही। उन्होंने समिति के गठन से शेष ग्रामों में भी शीघ्र ग्राम के वरिष्ठ नागरिक को जोड़ते हुए समिति गठन एवं मोबलाईजर की नियुक्ति करने की बात कही तथा ग्रामों एवं ग्रामीणों के छेटे-मोटे विवादों को ग्राम में गठित समिति एवं ग्रामसभा के माध्यम से सुलझाने की बात कही। कलेक्टर श्री सिंघल ने ग्रामों एवं ग्रामीण परिवारों विभिन्न बाद-विवाद के चलते कोर्ट कचहरी में धन एवं समय की बरवादी से बचे रहने की बात कहते हुए विवादों की शिकायत पुलिस थाना एवं कोर्ट-कचहरी न करते हुए ग्रामसभा के माध्यम से विवादों को निराकृत करने की बात कही।

कार्यशाला में पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव ने पेसा अधिनियम अंतर्गत प्रत्येक ग्राम में समिति का गठन कर ग्राम के विवादों को सामाजिक रूप से निराकरण करने की बात कही। उन्होंने पेसा समितियों द्वारा निराकृत किए गए प्रकरणों एवं ग्राम सभा संचालन की जानकारी समिति के व्हाटसप ग्रुप में साझा करने की बात कही, ताकि अन्य समितियां भी इसी तरह ग्रामों के विवादों का निराकृत कर सकें। उन्होंने ग्रामों एवं ग्रमीण परिवारों के विवादों का भी अभिलेख संधारित करने की बात समिति के सदस्यों से कही। इसी तरह थाना प्रभारी छपारा एवं पेसा मोबलाईजर, मास्टर ट्रेनर द्वारा पेसा अधिनियम के विभिन्न उपबंधों की विस्तृत जानकरी प्रदाय की गई।

16 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी

बालाघाट यशोः- भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल, से जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केंद्र बालाघाट को प्राप्त पांच दिवसीय मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार,बालाघाट जिले में 12, 13 एवं 15 जुलाई 2023 को मध्यम वर्षा तथा 14 एवं 16 जुलाई 2023 को भारी वर्षा की संभावना है। इसके साथ ही आमसान में मध्यम से भारी बादल छाये रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 30.1 से 31.5 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 21.7 से 22.4 डिग्री से सेल्सियस तथा सुबह हवा में 89 से 93 प्रतिशत तथा दोपहर में 64 से 69 प्रतिशत नमी रहने की संभावना है । आने वाले दिनो में हवा कि गति लगभग 9 से 11 किलोमीटर प्रति घंटा दक्षिण पश्चिम रहने की संभावना है।

किसान भाईयों को सलाह दी गई है कि यदि वे बिजली गिरने वाले इलाके में हैं, तो खुले खेतों, पेड़ों के नीचे, पहाड़ी इलाकों, चट्टानों के आस पास बिल्कुल न जाएं। इस के साथ ही धातुओं के बर्तन धोने से बचें, नहाने से बचें । बारिश और जमा पानी में खड़े होने से बचें। इसके अलावा छाते का इस्तेमाल भी न करें और बिजली के हाइटेंशन तारों और टावर से दूर रहें। अगर आसपास पेड़ है तो पेड़ की ऊंचाई के चार गुना दूर खड़े हो जाये। बिजली गिरने की स्थिति में किसान भाई घर के अंदर चले जाएं। अगर कहीं बाहर हैं और घर जाना संभव नहीं है, तो सब से पहले खुली जगह पर ही कान बंद कर के घुटनों के बल बैठ जाएं। अपने शरीर को बहुत ही कम स्थान में समेट लें ताकि बिजली गिरने की स्थिति में आप पर कम प्रभाव हो। इससे खतरा टल सकता है। इसके बाद घर चले जाएं। जिले में बिजली गिरने की संभावना देखते हुए किसान भाई के लिए चेतावनी है की जानवरो को जैसे गाय, भैस, बकरी आदि को खुले में चराते वक्त सावधानी बरतें ।

स्टेट कोड ऑफ मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में सिवनी ने जीते 4 गोल्ड 2 सिल्वर 3 ब्रोंज मेडल

सिवनी यशोः- कूडो मार्शल आर्ट के खिलाड़ी एक दिवसीय कराटे चेंपियन शिप में भाग लेने जबलपुर पहुँचे। जहाँ शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय नगर, महर्षि विद्या मंदिर स्कूल, जबलपुर में स्टेट कूडो मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जहाँ के सिवनी के खिलाड़ियों ने इस चैंपियनशिप में भाग लिया। और जिले के लिए मेडल जीते। सेंसाई ओमकार कश्यप ने बताया कि टीम कोच सेंसाई घनश्याम (जिला कूडो संघ के सचिव) के मार्गदर्शन में सिवनी के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें गोल्ड मेडल सहित अन्य मेडल जीते। आलोक सूर्यवंशी, श्रीदास परते, अमिताभ बघेल, कु सीता मसराम ने अलग-अलग वेट ग्रुप में खेला। और गोल्ड जीता। कु आर्या रंगाडे, कु साक्षी तिवारी ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। कु साक्षी कश्यप, कु पवनी उइके, कार्तिकेय तिवारी ने ब्रांच मेडल प्राप्त किया।

समस्त खिलाड़ी, कराते कूडो मार्शल आर्ट अकैडमी साकार सिटी के पास, अंबेडकर वार्ड, ललमटिया, सिवनी में अपनी ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं। समस्त विजेता खिलाड़ियों को संस्था के पदाधिकारियों एवं समस्त खेल प्रेमियों ने इनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं की एवं आगामी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद जताई है।

हितग्राहियों को बांटे संबल योजना राशि के चेक

नपा सभागार में नपा व जनपद अध्यक्ष, पार्षद ने दी योजना की जानकारी

बालाघाट यशोः-मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार में निरंतर विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। जिसमे अलग अलग योजनाओं के माध्यम से प्रदेश की जनता को बिना किसी भेदभाव के हर योजना का लाभ दिया जा रहा है । जिसमे मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के अंतर्गत नगर पालिका परिषद सभागार में हितग्राही भैया बहनों को चेक वितरित किए गए ।

नपा अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री जन-कल्याण (संबल) योजना के अंतर्गत बालाघाट ग्रामीण मंडल के लगभग 76 एवं शहरी मंडल के 18 श्रमिकों के खातों में लगभग 22 करोड़ 60 लाख की राशि अंतरित की । श्रीमती ठाकुर ने कहा की संबल योजना के माध्यम से भाजपा सरकार ने हमेशा ही संकट के सभी क्षणों में श्रमिकों के परिवारों को सहारा देने की कोशिश की है । श्रमिक भाई-बहनों आपका जीवन सरल हो वहीं विपरीत परिस्थितियों में संबल बनकर पूरी सरकार आपके पीछे खड़ी है जिसका आज परिणाम है हितग्राहि की म्रत्यु होने पर तत्काल 5 हजार की सहायता और सामान्य म्रत्यु पर 2 लाख व दुर्घटना में मृत्यु पर 4 लाख रूपये एवं श्रमिकों को प्रधानमंत्री आवास में अतिरिक्त 01 लाख की राशी दी जा रही है । संबल योजना में ज़रूरतमंद परिवारों को संबल दिया गया है और सभी सानंद जीवन व्यतीत करें यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और विधायक गौरीशंकर बिसेन का और नगर पालिका परिषद के सभी पार्षदों का संकल्प है।

इस दौरान जनपद पंचायत बालाघाट के अध्यक्ष फूलचंद सहारे, नगर पालिका परिषद की मेरी सहयोगी पार्षद योगिता विनय बोपचे, योजना प्रभारी अजय पटले, जनपद पंचायत सीईओ गायत्री कुमार सारथी, लेबर इंस्पेक्टर सुनील यादव, पंचायत समन्वयक अधिकारी सुरेश श्रीवास्तव सहित हितग्राही भैया बहन उपस्थित रहे।

नवागत सीएमएचओ डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर ने किया सामुदायिक स्वास्थ केंद्र कुरई एवं गोपालगंज का औचक निरीक्षण

सिवनी यशोः- कलेक्टर श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशन में मुख्य चिकित्सो एवं स्वास्थ अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर ने 12 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र कुरई एवं गोपालगंज का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होने स्वास्थ्य केंद्रो के कर्मचारियों को अपने मुख्यालय में रहने एवं स्वास्थ्य केंद्र की सुविधा को बेहतर बनाने के निर्देश दिए जिससे उपचार के लिए आने वाले मरीजों को किसी तरह की परेशानी नही होगी और उन्हे उपचार के लिए अच्छा वातावरण मिलेगा।

डॉ. ठाकुर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुरई एवं गोपालगंज में गर्भवती माताओं का प्रसव कक्ष, टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण कर राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति, सीएम हेल्प लाईन के प्रकरणों के निराकरण की स्थिति, आरसीएच पोर्टल में एंट्री की जानकारी ली। इस दौरान जिला स्वास्थ्य अधिकारी. डॉ. मनीषा सिरसाम, जिला स्वास्थ्य अधिकारी. डॉ. आर.के.धुर्वे, जिला कार्यक्रम प्रबंधक दिनेश चौहान, जिला कम्युनिटी मोबिलाईजर संदीप श्रीवास, खंड चिकित्सा अधिकारी कुरई डॉ. अभिषेक गोपालगंज डॉ राजेन्द्र कुमार एवं आदेश मालवीय उपस्थित रहें।

कलेक्टर ने किया गढ़ी क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्रामीण, सड़क योजना के कार्यों का निरीक्षण

बालाघाट। कलेक्टर डॅा गिरिश कुमार मिश्रा ने 11 जुलाई को बैहर विकासखंड के अंतर्गत गढ़ी क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत बनाई जा रही सड़कों एवं जिला खनिज निधि(डीएमएफ) से स्वीकृत कार्य का आकस्मिक निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान उन्होंने ग्राम रा हेपुर में आंगनवाड़ी केन्द्र का भी निरीक्षण किया।

कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़क सिजोरा से खजरा, बैहर मुख्यमार्ग से कटंगी एवं बैहर से भैंसवाही-जल्दीडांड सड़का का निरीक्षण किया । इस दौरान मौके पर कार्य की गुणवत्ता जांच के लिए प्रयोगशाला भी साथ ले जायी गई थी। सड़कों के निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में उपयोग किये गये मटेरियल की गणवत्ता की जांच के लिए सेंपल भी एकत्र किये गये। कलेक्टर द्वारा जिला खनिज निधि (डीएमएफ) से स्वीकृत ननका टोला पुलिया के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया गया। इस पुलिया का निर्माण कार्य ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा कराया जा रहा है। कलेक्टर डॉ मिश्रा ने सड़कों एवं पुलिया निर्माण कार्य के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ किया जाये। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होना चाहिए। सड़कों एवं पुलिया का निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण किया जाये। जिससे आम जन को इनका लाभ मिलने लगें।

अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्यवाही

धनसुआ के जंगल से 1475 किलो महुआ लाहन एवं 30 लीटर शराब जब्त

बालाघाट। जिले में मदिरा का अवैध रुप से निर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय कर रहे लोगों के विरुद्ध आबकारी विभाग की टीम द्वारा सतत कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में आज 11 जुलाई को धनसुआ के जंगल में छापामार कार्यवाही कर 1475 किलोग्राम महुआ लाहन एवं 30 लीटर कच्ची शराब जब्त की गइ है।

जिला आबकारी अधिकारी सुरेन्द्र कुमार उरांव ने बताया कि मुखबीर से प्राप्त सूचना पर 11 जुलाई को आबकारी वृत बालाघाट की टीम के द्वारा ग्राम धनसुआ के जँगल में छापामार कार्यवाही की गई। जिसमें नाला किनारे अलग अलग स्थानो से मटकों एवँ ड्रमों में भरा हुआ लगभग 1475 किलोग्राम महुआ लाहन एवँ लगभग 30 लीटर कच्ची शराब जब्त कर 02 प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गये हैं । जब्त महुआ लाहन का सेम्पल लेकर शेष लाहन मौके पर नष्ट किया गया । जब्त सामग्री का बाजार मूल्य 01 लाख 07 हजार 750 रुपये है।

आज की कार्यवाही मे सहायक जिला आबकारी अधिकारी एस डी सूर्यवँशी वृत प्रभारी, उपनिरीक्षक रमाकांत बघेल, आरक्षक सुरेंद्र गजभिए लखन चौधरी आरिफ खान उपस्थित रहे। इस प्रकार की कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

मध्यप्रदेश क्षमता निर्माण नीति-2023 का अनुमोदन, मुख्यमंत्री चौहान की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक

भोपाल । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में विधानसभा में मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के शासकीय सेवकों की क्षमता निर्माण के लिये ÷मध्यप्रदेश क्षमता निर्माण नीति-2023%% का अनुमोदन किया। राज्य की नवीन क्षमता निर्माण नीति 2023 भारत सरकार द्वारा लागू मिशन कर्मयोगी की अवधारणा एवं विशेषताओं को सम्मिलित करते हुए और क्षमता विकास आयोग के सदस्य से परामर्श प्राप्त करते हुए तैयार की गई है। इसमें प्रत्येक विभाग के बजट में, वेतन मद में उपलब्ध बजट की एक प्रतिशत राशि से नया बजट शीर्ष ÷मिशन कर्मयोगी%% बनाया जायेगा। साथ ही प्रशासन अकादमी के बजट में राशि 10 करोड़ रूपये से ÷मिशन कर्मयोगी%% के नाम से नया बजट शीर्ष भी बनाया जायेगा। भारत सरकार की राष्ट्रीय प्रशिक्षण नीति वर्ष 1996 के संदर्भ में राज्य की वर्तमान प्रशिक्षण नीति को 11 जुलाई 2001 को लागू किया गया था। भारत सरकार की वर्तमान राष्ट्रीय प्रशिक्षण नीति 19 जनवरी 2012 को लागू की गई, लेकिन राज्य की प्रशिक्षण नीति में अभी तक कोई परिवर्तन नहीं किया गया था। प्रदेश की वर्तमान प्रशिक्षण नीति लगभग 22 वर्ष पुरानी हो चुकी है, जबकि शासकीय सेवकों के भर्ती के तरीके, सूचना प्रौद्योगिकी का शासकीय कार्यों में उपयोग, विभिन्न कानूनों में परिवर्तन इत्यादि कारणों से नवीन प्रशिक्षण नीति की आवश्यकता महसूस की गई। राज्य की नयी प्रशिक्षण नीति तैयार करने के लिये महानिदेशक, प्रशासन अकादमी द्वारा सेवानिवृत्त एवं अनुभवी प्रशासनिक एवं तकनीकी परामर्शी विशेषज्ञों से परामर्श लिया गया।

महिला स्व-सहायता समूह करेंगे उपभोक्ता शुल्क (टोल) संग्रहण

मंत्रि-परिषद ने महिला स्व-सहायता समूह द्वारा उपभोक्ता शुल्क संग्रहण के लिये नीति का अनुमोदन किया। मंत्रि-परिषद ने महिला स्व-सहायता समूह को अधिक सक्षम एवं उपभोक्ता शुल्क (टोल) संग्रहण में सहभागिता सुनिश्चित करने के लिये यह निर्णय लिया। निर्णय अनुसार पूर्व में उपभोक्ता शुल्क संग्रहण की स्वीकृति प्राप्त मार्गों में से दो करोड़ से कम वार्षिक संग्रहण आय वाले मार्गों पर उपभोक्ता शुल्क संग्रहण महिला स्व-सहायता समूह द्वारा किया जायेगा। ऐसे मार्ग का चयन के लिये मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम को अधिकृत किया गया है।

जिला और जनपद पंचायत के अध्यक्ष के मानदेय में वृद्धि

मंत्रि-परिषद ने जिला और जनपद पंचायत के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के मानदेय में वृद्धि करने का निर्णय लिया। जिला पंचायत अध्यक्ष के मानदेय एवं वाहन भत्ता को बढ़ाकर 1 लाख रूपये मासिक (मानदेय 35 हजार रूपये एवं वाहन भत्ता 65 हजार रूपये) और जिला पंचायत के उपाध्यक्ष के मानदेय एवं वाहन भत्ता को बढ़ाकर 42 हजार रूपये मासिक (मानदेय 28 हजार 500 रूपये एवं वाहन भत्ता 13 हजार 500 रूपये) किया जायेगा। साथ ही जनपद पंचायत अध्यक्ष के मानदेय को बढ़ाकर 19 हजार 500 रूपये मासिक एवं जनपद पंचायत उपाध्यक्ष के मानदेय को बढ़ाकर 13 हजार 500 रूपये मासिक करने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त पंच/उप सरपंच का अधिकतम वार्षिक मानदेय 1800 रूपये किया जायेगा। अतिरिक्त वित्तीय भार की व्यवस्था ÷स्टाम्प शुल्क वसूली के अनुदान%% मद में वार्षिक अतिरिक्त वित्तीय भार लगभग 56 करोड़ 38 लाख 24 हजार 800 रूपये को अतिरिक्त रूप से उपलब्ध कराये जाने का निर्णय भी लिया गया।

ग्राम रोजगार सहायक के बढ़े हुए मानदेय अनुसार व्यय करने की अनुमति

मंत्रि-परिषद ने ग्राम रोजगार सहायक के भरे पद एवं रिक्त पदों की पूर्ति किये जाने पर 18 हजार रूपये प्रतिमाह की दर से मानदेय के लिये आवश्यक अतिरिक्त वार्षिक राशि 274 करोड़ 95 लाख रूपये व्यय करने की अनुमति दी। यह राशि योजना क्रमांक 4610 स्टाम्प शुल्क वसूली या योजना क्रमांक 6299 गौण खनिज मद से व्यय की जायेगी।

8 नवीन शासकीय महाविद्यालयों की स्थापना को मंजूरी

मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में 8 नवीन महाविद्यालयों की स्थापना, 2 महाविद्यालयों में नवीन संकाय और 3 महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर/स्नातक विषय प्रारंभ करने की मंजूरी दी है। इसके लिये कुल 489 नवीन पद सृजन, आवर्ती व्यय भार 26 करोड़ 97 लाख रूपये प्रतिवर्ष और अन्य अनावर्ती व्यय 95 करोड़ 68 लाख 92 हजार रूपये, इस प्रकार कुल 122 करोड़ 65 लाख 92 हजार रूपये के व्यय की स्वीकृति दी गई। खण्डवा जिले के खालवा, भोपाल के फंदा, शहडोल के बाणसागर, श्योपुरकलाँ के बड़ौदा, सीधी के मण्डवास, इंदौर के बेटमा, रीवा के हनुमना और बालाघाट के हट्टा में नवीन शासकीय महाविद्यालय स्थापित किये जायेंगे। साथ ही छतरपुर के बिजावर और सीधी के चुरहट में पूर्व से संचालित शासकीय महाविद्यालयों में नवीन संकाय प्रारंभ किये जायेंगे। इसके अलावा शासकीय महाविद्यालय रामपुर नैकिन, जिला सीधी में आर्ट एण्ड साइंस, शासकीय महाविद्यालय लामता, जिला बालाघाट में आर्ट्स एवं बॉयोलॉजी और शासकीय कन्या महाविद्यालय, नीमच में संगीत एवं फाइन आर्ट विषय प्रारंभ किये जायेंगे।

अन्य निर्णय

मंत्रि-परिषद ने नवीन समरसता छात्रावास योजना में स्कूल शिक्षा विभाग के छात्रावासों के संचालन, मरम्मत आदि कार्य किये जाने की स्वीकृति दी। योजना में विभाग द्वारा संचालित सभी छात्रावास सभी वर्गों के लिये उपलब्ध हैं।

महिलाओं को करोड़ों के टोल टैक्स बैरियर दिए जाएंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आज विधानसभा सत्र के प्रारंभ होने से पहले सरकार के प्रवक्ता एवं गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने पत्रकारों को बताया कि मध्यप्रदेश में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए टोल टैक्स बैरियर दिए जाएंगे। यह फैसला मध्य प्रदेश सरकार की कैबिनेट मीटिंग में लिया गया।

मुख्यमंत्री चाहते हैं मध्यप्रदेश की महिलाएं आत्मनिर्भर हो जाएं

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, लगातार दोहरा रहे हैं कि उन्हें मध्य प्रदेश में महिलाओं की न्यूनतम आय ?10000 महीना करना है। इसके लिए सरकार कई तरह के प्रावधान कर रही है। फिलहाल लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को ?1000 महीना भत्ता दिया जा रहा है। इसके अलावा महिलाओं के लिए रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आत्मनिर्भर महिलाओं को सरकार की तरफ से सपोर्ट किया जा रहा है। सरकार की गारंटी पर महिलाओं को बिजनेस लोन दिया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में मजदूर महिला को भी मेटरनिटी लीव देती है सरकार

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि, संबल योजना में हमने संकट के सभी क्षणों में श्रमिकों के परिवारों को सहारा देने की कोशिश की है। बेटा-बेटी को जन्म देने पर हम श्रमिक बहन को ?16 हजार की राशि देते हैं, ताकि बहन आराम कर सके, उसे ठीक पोषण मिले और बच्चों का पालन-पोषण भी अच्छी तरह से हो सके। उल्लेख अनिवार्य है कि मध्यप्रदेश में महिला कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से पेड मेटरनिटी लीव दी जाती है। प्राइवेट सेक्टर में भी यही प्रावधान है परंतु मजदूर महिलाओं के लिए कोई प्रावधान नहीं था इसलिए सरकार में संबल योजना में इस फीचर को शामिल किया।

तीनों विधानसभा के सेक्टर अधिकारियों की बैठक संपन्न

प्रशासनिक एवं पुलिस सेक्टर अधिकारी निर्वाचन गतिविधियाँ समन्वय के साथ समय-सीमा में पूरी करेंगे - डॉ. सिडाना

मंडला यशोः- कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने मंगलवार को बिछिया, निवास तथा मंडला तीनों विधानसभा के लिए नियुक्त प्रशासन एवं पुलिस के सेक्टर अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने निर्देशित किया कि प्रशासन एवं पुलिस के सेक्टर अधिकारी गंभीरता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए संपूर्ण निर्वाचन गतिविधियों को तय समय-सीमा में पूरी करेंगे। उन्होंने कहा कि संपूर्ण निर्वाचन अवधि के दौरान प्रशासन एवं पुलिस के सेक्टर अधिकारी प्रभावी समन्वय के साथ काम करेंगे। दोनों अधिकारी अपने सेक्टर की भौगोलिक, प्रशासनिक गतिविधियों का संयुक्त भ्रमण करते हुए निर्विघ्न एवं निष्पक्ष निर्वाचन संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कलेक्टर ने कहा कि सेक्टर अधिकारी अपने क्षेत्र के सभी मतदान केन्द्रों की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे। साथ ही वल्नरेब्लीटी मैपिंग, द्वितीय संक्षिप्त पुनरीक्षण, रूट वेरीफिकेशन, बूथ की संवेदनशीलता का आंकलन करते हुए निर्धारित प्रारूपों में समय-समय पर जानकारी देंगे। उन्होंने 22 जुलाई तक उक्त निर्देशों के पालन की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

मिलेगा विशेष कार्यपालिक मजिस्ट्रेट का दर्जा

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सेक्टर अधिकारियों को विशेष कार्यपालिक मजिस्ट्रेट का दर्जा दिया जाएगा जिन्हें वाहन सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाएं समय-समय पर निर्वाचन कार्यालय द्वारा मुहैया कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि 2 अगस्त को होने वाले द्वितीय संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान निर्वाचन नामावली का प्रकाशन किया जाएगा। इस समय प्रशासन एवं पुलिस के दोनों ही सेक्टर अधिकारी अपने क्षेत्र में उपस्थित रहेंगे। यह कार्यक्रम 2 से 8 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्वाचन आयोग द्वारा सेक्टर अधिकारियों के लिए बनाई गई हेंडबुक का अनिवार्यतः अध्ययन किया जाए।

अपनी जिम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा से निभाएं - एसपी

पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने उपस्थित सेक्टर अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपूर्ण निर्वाचन अवधि में एकदूसरे के साथ समन्वय करते हुए सौंपे गए दायित्वों को पूर्ण निष्ठा से निभाएं। दोनों ही सेक्टर अधिकारी अपने क्षेत्र के थाना प्रभारी, बीट प्रभारी एवं महत्वपूर्ण व्यक्तियों तथा सहयोगियों का अनिवार्यतः नंबर साझा करेंगे। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर प्रशासन के संज्ञान में लाएंगे।

मास्टर ट्रेनर्स ने दिया प्रशिक्षण

तीनों विधानसभा के लिए नियुक्त प्रशासन एवं पुलिस के सेक्टर अधिकारियों को जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. श्रीवास्तव ने प्रशिक्षण दिया। इस दौरान उन्होंने सेक्टर अधिकारियों के दायित्व, रूटप्लान, क्रिटीकलेटी एवं वलनरेब्लीटी, चिन्हांकन, प्राप्त शिकायतों का समाधान आदि के बारे में बिन्दुवार एवं विस्तार से जानकारी दी। साथ ही सेक्टर अधिकारियों के कर्तव्य के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. रोहितास ने निर्वाचन नामावली के परिवर्तन के बारे में प्रशिक्षण में जानकारी दी।

थांवर जलाशय के ऊपरी तथा निचले सतह पर निवासरत लोगों को आमसूचना

अस्थायी एवं चल संपत्ति को रखें सुरक्षित स्थानों पर

मंडला यशोः- कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग द्वारा आम जनता को सूचित किया गया है कि वर्ष 2023-24 में थांवर बांध वृहद सिंचाई परियोजना जिला मण्डला का जलस्तर 481.10 मी. तक 100 प्रतिशत (जीवित जल भराव क्षमता 123.53 मि.घ.मी.) तक भरा जाना है। जलाशय का जलभराव 30 जुलाई तक 78 प्रतिशत 10 अगस्त तक 83 प्रतिशत 30 अगस्त तक 91 प्रतिशत 15 सितम्बर तक 97 प्रतिशत तथा 30 सितम्बर तक 100 प्रतिशत रखना निर्धारित किया गया है। 10 जुलाई 2023 को जलाशय का जल स्तर 479.48 मी. 76.64 प्रतिशत है। यदि जलाशय में पानी का आवक अधिक होने के कारण जल भराव दर्शित अवधि के पूर्व अधिक होता है तो वर्षाकाल में अतिरिक्त पानी को निकालने के लिए जलद्वार किसी भी समय खोले जा सकते हैं। ऐसी स्थिति में नदी का जल स्तर भी अचानक बढ़ सकता है।

कार्यपालन यंत्री ने कहा है कि थॉवर जलाशय के ऊपरी तथा निचले सतह पर रहने वाले मण्डला जिले के ग्राम बीजेगांव, पोटिया, बिनौरी, चरी, टिकरिया ,केवलारी, सुक्कम, चरगांव, बरबसपुर, कुरलाछींदा, झुलपुर, खमरिया, कछारी, देवरी, पड़रिया, डोभी, कन्हरगांव, खिरसारू, भरवेली, धर्राची, पिण्डरई नैनपुर और सिवनी जिले के कमाची, ग्वारी, छींदा, सर्रई, तिंदुआ के समस्त ग्रामवासियों को तथा विशेष रूप से ग्राम पंचायत पिण्डरई एवं नगरपालिका नैनपुर को थांवर नदी के समीप निवासरत निवासियों को सूचित किया जाता है कि वे अपनी अस्थाई एवं चल सम्पत्ति को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दें, ताकि किसी प्रकार की जन-धन की हानि से बचा जा सके। साथ ही नदी में बाढ़ होने की स्थिति में नदी पार न करें अन्यथा किसी भी प्रकार की क्षति के लिए म.प्र. शासन जल संसाधन विभाग जिम्मेदार नही होगा।

मोटर साईकिल से मोबाईल एवं बैग लूटने वाले 02 आरोपी पकडाये

मंडला यशोः- पुलिस अधीक्षक मंडला द्वारा समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपराधिक तत्वों के विरूद्ध एवं अपराध की सूचना पर तत्काल वैधानिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया हैं। पुलिस थाना कोतवाली में फरियादी शिवम कछवाहा निवासी रामबाग थाना महाराजपुर 07.07.2023 को दिन में मैं अपनी पत्नी के साथ मोटर सायकल से मण्डला आये थे, मैं चिलमन चौक से पुलिस पेट्रोल पम्प पेट्रोल डलवाने के लिए आ रहा था तभी रास्ते में चौपाटी के सामने पीछे से एक मोटर सायकल में दो व्यक्ति आये और मेरी मोटर सायकल में पीछे बैठी पत्नी छाया कछवाहा के हाथ में रखा हेण्ड बैग छिनकर वहां से तेजी से भाग गये। बैग छिनने से मेरी पत्नी अनियंत्रित होकर गिर गयी जिससे उसके दाहिने पैर में चोट आई है। जब वे दोनो भाग रहे थे तब मैने उन्हें देखा था गाड़ी में इशान यादव और विशाल पटेल थे दोनो यही मण्डला के रहने वाले है इसलिए मै दोनो को जानता हूं। बैग में करीब 400 रूपये और मोबाईल रियलमी कम्पनी का नार्जो 10 माडल का एण्ड्राईड फोन कीमती करीबन 12,000- रूपये है रिपोर्ट पर धारा 392 भादवि कायम किया जाकर तलाश की जा रही थी।

मामले में विवेचना के दौरान मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि विशाल उर्फ विक्की पटेल एवं ईशान यादव लालीपुर तरफ मोटरसाईकिल से जा रहे है जिन्हें पुलिस टीम द्वारा घेराबन्दी कर लालीपुर चौराहा मे पकड़ कर पूछताछ किया जिन्होने उक्त घटना को दोनो के द्वारा अंजाम देना स्वीकार किया गया। आरोपियों से चोरी गया पर्स एवं पैसे तथा आरोपियों द्वारा घटना स्थल में प्रयुक्त बाईक होंडा ड्रीम न्यू जप्ती किया गया। मोबाईल के संबंध में पुछे जाने पर मोबाइल 2000 रूपये मे बेचना बताये। दोनो आरोपियो को गिरफतार किया जाकर माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है। मामले में मोबाईल खरीदने वाले आरोपी की तलाश मंडला पुलिस द्वारा की जा रही है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक जसवंत सिंह राजपूत, उनि लक्ष्मी पुष्पकार,आरक्षक अमित गरयार, मानसिंह, सुंदर भलावी, संतराम भलावी, केशव मरावी शामिल रहे।

कलेक्टर ने ली नोडल अधिकारियों की बैठक

मंडला यशोः- विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने विभिन्न कार्यों के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी नोडल अधिकारी निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का गंभीरतापूर्वक अध्ययन करते हुए अपने दायित्वों के निर्वहन के लिए अपनी कार्ययोजना तैयार करें तथा इन्हीं कार्यों के लिए राज्य स्तर से नियुक्त नोडल अधिकारी से समन्वय करें। सभी नोडल अधिकारी अपनी टीम का गठन करें। कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों से उन्हें प्रदाय किए गए कार्यों के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान नवीन मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम काटने तथा संशोधन आदि की कार्यवाही समय में पूर्ण करें। मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाएं। प्रत्येक मतदान केन्द्र में प्रकाश, बिजली, पानी, शौचालय, रैंप आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। रूटचार्ट एवं सेक्टर निर्धारण में मापदंडों का पालन करें। बैठक में कलेक्टर ने मतदान सामग्री की व्यवस्था, सामग्री वितरण एवं प्राप्ति, स्वीप गतिविधियां, कानून व्यवस्था, आईटी प्रबंधन, मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग, आदर्श आचरण संहिता का पालन, प्रशिक्षण, प्रेक्षक व्यवस्था, संचार व्यवस्था, मतपत्र मुद्रण, यातायात प्रबंधन, वेलफेयर मैनेजमेंट, विद्युत व्यवस्था आदि के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत रानी बाटड, अपर कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम, संयुक्त कलेक्टर हुरेन्द्र घोरमारे सहित संबंधित उपस्थित रहे।

'सांसद रोजगार मेला' 15 को

केन्द्रीय मंत्री श्री कुलस्ते ने की युवाओं से सहभागिता की अपील

मंडला यशोः- केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री तथा सांसद फग्गनसिंह कुलस्ते के निर्देशन में 15 जुलाई को भव्य सांसद रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। यह मेला 15 जुलाई 2023 को प्रातः 10 बजे सरदार पटेल कॉलेज खैरी मण्डला में किया जा रहा है। केन्द्रीय मंत्री श्री कुलस्ते ने जानकारी देते हुए बताया कि इस रोजगार मेले में देश की प्रतिष्ठित कम्पनियां सहभागी होंगी जिनके माध्यम से मंडला एवं आसपास के क्षेत्र के शिक्षित युवक-युवतियों को योग्तानुसार रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने युवाओं से अपील की है कि ऐसे सभी शिक्षित युवक-युवतियों जो रोजगार के इच्छुक हैं वे अपना बायोडाटा, अंक सूची, आधार कार्ड, अनुभव एवं योग्यता के अन्य प्रमाण पत्र साथ लेकर आ सकते हैं।

अब तक कुल 4011 कुओं का किया गया शुद्धिकरण

मंडला यशोः- मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु के समापन के पश्चात वर्षा ऋतु का आगमन माह जुलाई से सितंबर तक मानसून के मौसम ने जिले के कुछ क्षेत्रों में बाढ़ अति वर्षा में आपदा कि स्थिती उत्पन्न होती हैं। वर्षा ऋतु के दौरान फैलने वाली संक्रामक बीमारियों की रोकथाम हेतु जिला स्तर पर एवं विकासखण्ड स्तर पर कॉम्बेट टीम (त्वरित चिकित्सा दल) का गठन किया गया है। यह टीम बीमारी फैलने की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर चिकित्सा सुविधा मुहैया करायेगें तथा बीमारी की रोकथाम की त्वरित कार्यवाही करेगी। इस दौरान उल्टी, दस्त के प्रकरण सम्बंधी, आवश्यक होने पर रेक्टलस्वाव बनायेंगे, उस नमूने को मेडिकल कॉलेज भेजा जायेगा। काम्बेट टीम द्वारा रोटेशन के आधार पर प्रभावित क्षेत्रो पर सेवायें देंगे।

मौसमी परिवर्तन होने से मण्डला जिले के अधिकांश ब्लॉकों में उल्टी, दस्त केसों में अचानक वृद्धि हो जाती है। उल्टी दस्त केसों में वृद्धि ना हो इसके लिए समस्त ब्लॉक में प्रति गुरूवार को अपने ब्लॉक के कुऐं, पेयजल स्त्रोंतों को क्लोरीनेशन, सप्ताहिक शुद्धिकरण ए.एन.एम., एम.पी.डब्लू. के माध्यम से किया जा रहा है। मंडला जिले के समस्त ब्लॉकों में कुल शुद्धिकरण किये गए कुओं की संख्या 4011 है।

आंगनवाड़ी केंद्रों में रिक्त पद हेतु 17 तक करे आवेदन

मंडला यशोः- परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास नारायणगंज से प्राप्त जानकारी अनुसार बाल विकास परियोजना नारायणगंज जिला मण्डला में आंगनवाड़ी केंद्रों में रिक्त पदों हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। ग्राम पंचायत पड़रिया उर्फ नारायणगंज के आंगनवाड़ी केंद्र साईं कॉलोनी में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम पंचायत बरबटी के आंगनवाड़ी केंद्र जामुनटोला बरबटी क्रं. 2 में आंगनवाड़ी सहायिका, ग्राम पंचायत मैली के आंगनवाड़ी केंद्र मैली में आंगनवाड़ी सहायिका एवं ग्राम पंचायत पटेहरा के आंगनवाड़ी केंद्र हरदौलटोला पटेहरा में उप-आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद हेतु 17 जुलाई 2023 तक आवेदन परियोजना कार्यालय नारायणगंज में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

मप्र अधिकारी-कर्मचारी संघर्ष मोर्चा ने रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

मंडला यशोः- मप्र अधिकारी-कर्मचारी संघर्ष मोर्चा ने रैली निकालकर ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि निगम मंडल अधिकारी-कर्मचारियों को गृह भाड़ा भत्ता एवं सातवें वेतनमान अनुसार केन्द्रीय कर्मचारियों के समान दिया जाए। छत्तीसगढ़ सरकार की तरह मप्र के कर्मचारी जो पांचवे वेतनमान में जनवरी 30 जून के मध्य वेतनवृद्धि प्राप्त करते हैं उन्हें अतिरिक्त वेतन वृद्धि सहित अन्य मांगे शासन के सामने ज्ञापन के माध्यम से रखी गई है। इस अवसर पर संयुक्त मोर्चा अधिकारी कर्मचारी संघ से केडी दुबे, व्ही के राय पेंशनरसमाज, सतीश चंद्रोल लिपिक वर्ग, दिलीप मरावी ट्रायवल वेलफेयर, सुनील बाली, सतीष पटैल, सम्पत श्रीवास, टीकाराम श्रीवास, राम मिलन मिश्रा, दिनेश उपाध्याय राज्य कर्मचारी संघ सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कारीगरों के चयन संबंधी जानकारी

मंडला यशोः- प्रबंधक खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड जिला पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रामोद्योग विकास योजना (जीव्हीवाई) के अन्तर्गत जिले में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास एवं रोजगार संवर्धन तथा परम्परागत कारीगरों, बेरोजगार युवक-युवतियों को चयनित कर संबंधित गतिविधि में प्रशिक्षण देने के उपरान्त मशीनरी एवं उपकरण आदि उपलब्ध कराये जाते हैं। उक्त योजना में अंतर्गत मध्यप्रदेश में अनेक गतिविधियों के अंतर्गत कारीगरों का चयन किया जायेगा। चयनित कारीगरों द्वारा मशीनरी एवं उपकरण की लागत राशि का क्षेणी अनुसार स्वयं का अंशदान जमा करना होगा। बताया गया कि एससी 10 प्रतिशत, एसटी 10 प्रतिशत, सामान्य 20 प्रतिशत एवं बीपीएल 0 प्रतिशत हितग्राही का स्वयं का अंशदान होगा। अधिक जानकारी के लिए प्रबंधक, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, जिला पंचायत मण्डला के मोबाईल नम्बर - 8959500194 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

मलेरिया रोग नियंत्रण कार्यक्रम अभियान

मंडला यशोः- जिला आयुष अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में मलेरिया रोकथाम हेतु मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में मलेरिया प्रतिरोधक होम्योपैथी औषधि-मलेरिया ऑफ 200 के वितरण का प्रथम चरण 14 जुलाई, 21 जुलाई एवं 28 जुलाई 2023 को जिले के 7 विकासखंडों में किया जाएगा।

कलेक्टर ने किया ईवीएम वेयरहाऊस का निरीक्षण

प्रशिक्षण एवं जागरूकता के लिए ईव्हीएम का चिन्हांकन

मंडला यशोः- कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना द्वारा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पॉलिटेक्निक कॉलेज मंडला स्थित ईवीएम एवं वीवीपेट वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। इस दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं मतदाता जागरूकता अभियान के लिए 94 ईव्हीएम मशीनों का चिन्हांकन किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वेयरहाऊस की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम, निर्वाचन अधीक्षक अरूण कुशवाहा, सीके तिवारी तथा विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विश्व जनसंख्या स्थिरता माह का शुभारंभ

मंडला यशोः- विश्व जनसंख्या स्थिरता माह का शुभारंभ शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 11 जुलाई से 11 अगस्त 2023 तक स्थिरता माह चलेगा। इस दौरान गर्भनिरोध के अस्थाई साधनों का वितरण एवं स्थाई साधन पुरूषों के लिए एन.एस.व्ही., महिला नसबंदी शिविर लगाकर किया जाएगा। शुभारंभ कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 डी.के. मरकाम, प्रभारी डिप्टी मीडिया सुलोचना रजक, सपना साहू, इन्द्रारावत स्टापनर्स, एच.डी. मोंगरे, सुपरवाईजर स्टाफ आशीष तिवारी, ए.एन.एम. आशा कार्यकर्ता एवं अन्य स्टॉफ उपस्थित रहा।

8 वर्षीय राधिका का जबलपुर में हुआ सफल हृदय ऑपरेशन

मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना बनी वरदान

मंडला यशोः- मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के अंतर्गत 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं ताकि जिससे कि पीड़ित बच्चे निरोग हो सके। इसी तारतम्य में ग्राम पाठा देवगांव वार्ड-15 विकासखण्ड निवास की निवासी राधिका कुंजाम पिता बबलू कुंजाम उम्र 8 वर्षीय बालिका के लिए बाल हृदय उपचार योजना वरदान साबित हुई। इस योजना के लाभ से अब राधिका बिलकुल स्वस्थ है। बेटी को स्वस्थ देखकर माता-पिता की खुशी भी देखते ही बनती है।

राधिका के पिता ने बबलू कुंजाम बताते हैं कि बेटी जब दौड़ती-खेलती थी तो जल्दी थक जाती थी। सांस की गति भी तेज हो जाती थी। आंगनबाड़ी स्कूल में आर.बी.एस.के. की टीम के डॉक्टर अजय खांडेल ने बच्ची का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जाँच के दौरान पता चला कि बालिका राधिका को हृदय संबंधी तकलीफ है। टीम के चिकित्सक ने माता-पिता से बालिका के जन्म से अभी तक की जानकारी ली। टीम के चिकित्सक द्वारा बच्ची को ईको जांच के लिए मेट्रोहॉसपिटल जबलपुर भेजा गया। यहां पर राधिका का ऑपरेशन बिना किसी बाहरी खर्च के संपन्न हुआ। यह ऑपरेशन क्लोजर बाय डिवाइस तकनीक के माध्यम से हुआ। दोनों ही माता-पिता कहते हैं कि हमारी बच्ची अब बिल्कुल स्वस्थ्य है। बच्ची के पिता होने के नाते हम दोनों शासन-प्रशासन को एवं आर.बी.एस.के. की टीम को धन्यवाद देते हैं।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनीं आवेदकों की समस्याएं

मंडला यशोः- जिला योजना भवन में सम्पन्न हुई जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने आवेदकों की समस्याएं सुनी। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देषित किया कि जनहित से संबंधित आवेदनों का सर्वोच्च प्राथमिकता से निराकरण सुनिष्चित करें। उन्होने विभिन्न आवेदनों के मौके पर ही निराकरण के निर्देष दिए। जनसुनवाई में 106 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत रानी बाटड, अपर कलेक्टर मीना मसराम, संयुक्त कलेक्टर हुरेन्द्र घोरमारे, एसडीएम पुष्पेन्द्र अहके ने भी जनसुनवाई में पहुंचे आवेदकों की समस्याएं सुनी।

जनसुनवाई में त्रुटिसुधार, वृद्धापेंशन, किसान कल्याण योजना, नलजल योजना, जीवन ज्योति बीमा, पेंशन सहायता, अतिक्रमण, प्रधानमंत्री आवास योजना, रोजगार, मजदूरी भुगतान, स्वास्थ्य सहायता सहित अलग-अलग विषयों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

तत्काल श्रवण यंत्र मिलने से सुरेश ने प्रसन्नता व्यक्त की

जनसुनवाई के माध्यम से प्रशासन के संज्ञान में आने वाली समस्या का यथासंभव शीघ्र एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे पड़रिया नारायणगंज निवासी सुरेश कछवाहा ने श्रवण यंत्र प्राप्त करने के संबंध आवेदन दिया। सुरेश ने बताया कि दिव्यांग होने के कारण मुझे सुनने में बहुत परेशानी होती है। मुझे श्रवण यंत्र प्रदान किया जाए। कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने सामाजिक न्याय विभाग को आवेदकों की पात्रता का परीक्षण कर मौके पर ही श्रवण यंत्र प्रदान करने के निर्देश दिए। श्रवण यंत्र पाकर सुरेश कहते हैं कि समस्या का मौके पर ही निराकरण हो जाने से मैं बहुत खुश हूं और मैं जिला प्रशासन के प्रति धन्यवाद करता

बीएलओ सुपरवाईजर का प्रशिक्षण आज

मंडला यशोः- आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के मद्देनजर बीएलओ सुपरवाईजर का प्रशिक्षण 13 जुलाई 2023 को आयोजित किया गया है। यह प्रशिक्षण जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाईट मण्डला के सभाकक्ष में दोपहर 12 बजे से होगा। अपर कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधितों को प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बीझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-yasonati@gmail.com न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297